पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी का विकास–कृषक प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम

स्थानीय सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद के तत्वाधान में दिनांक 18 मार्च 2015 को एक–दिवसीय कृषक प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था–पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि–वानिकी का विकास । केन्द्र की निदेशक डा0 कुमुद दूबे ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथिगण, कृषकों तथा अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा क्षेत्र में कृषकों हेतु केन्द्र में उपस्थित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 अश्वनी कुमार, भा0व0से0 महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून ने प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। महानिदेशक ने क्षेत्र विशेष में कृषि–वानिकी के वृहद विस्तार का संदेश दिया। महानिदेशक महोदय ने क्षेत्र में महुआ, चिरौंजी तथा इमली प्रजातियों के ग्राफ्टिंग विधि द्वारा शीघ्र फलन प्राप्ति तकनीक को विकसित करने हेतु प्रकाश डाला। बांस की विभिन्न प्रजातियों के रोपण तथा खाद्य योग्य बांस प्रजाति के विकास पर जोर दिया। सलई (बोसवेलिया सेरेटा) तथा ढाक (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा) प्रजातियों से प्राप्त गोंद के विभिन्न उद्योगों में प्रयोग तथा प्रजातियों के वृहद् रोपण हेतु अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया। बेल, आंवला, बेर तथा अन्य फलदार वृक्षों के कृषि–वानिकी मॉडलों में विकास का संदेश दिया। क्षेत्र विशेष के कृषकों हेतु देश के अन्य वानिकी विकसित स्थलों पर भ्रमण हेतु भी सी0एस0एफ0ई0आर0 केन्द्र को एक योजना क्रियान्वित करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथिगण जी0 एन0 मूर्थि, मुख्य वन संरक्षक, दक्षिणी क्षेत्र, प्रवीन राव, वन संरक्षक, इलाहाबाद क्षेत्र, के0 पी0 दूबे, महाप्रबन्धक, वन निगम, एस0 के0 शर्मा, क्षेत्रीय प्रबन्धक, वन निगम तथा मनोज खरे, सम्भागीय वन अधिकारी, इलाहाबाद ने कार्यक्रम को सुशोभित किया तथा क्षेत्र विशेष में कृषकों द्वारा कृषि–वानिकी अपनाने के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा किया।

प्रदर्शन कार्यक्रम में यूकेलिप्टस, बांस, पॉपलर, सागौन, औषधीय पौधे, बर्मा ड्रैक तथा महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के विभिन्न मॉडलों को किसानों को दर्शाया गया। सम्बन्धित साहित्य तथा पठन सामग्री का कृषकों को वितरण किया गया। कार्यक्रम की आयोजक सचिव डा0 अनीता तोमर, वैज्ञानिक तथा डा0 अनुभा श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ने कृषकों को कृषि वानिकी के विभिन्न आयामों यथा नर्सरी, पौधारोपण, रख–रखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिया।केन्द्र में कार्यरत धीरेन्द्र कुमार, अवर सचिव, डा0 वी0 पी0 पाण्डेय, डा0 एस0 डी0 शुक्ला, अनुसंधान सहायक–।, सियाराम, तथा ए0 के0 श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। परियोजना में कार्यरत आलोक पाण्डेय, शादाब जमील, संदीप त्रिपाठी, विक्रम सिंह, प्रवीन त्रिपाठी, उमाकान्त पाण्डेय, अंकुर एवं तरुन ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

कृषि वानिकी क्षेत्र का करें वृहद विस्तारः महानिदेशक

एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में पूर्वी उप्र कृषि वानिकी के विकास पर हुयी चर्चा

इलाहाबाद। स्थानीय सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र के तत्वावधान में बुधवार को एक-दिवसीय कृषक प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था-पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि-वानिकी का विकास। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून डा. अश्वनी कुमार ने प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर डा. कुमार ने क्षेत्र विशेष में कृषि-वानिकी के वृहद विस्तार का संदेश दिया। केन्द्र की निदेशक डा. कुमुद दूबे ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथिगण, कृषकों तथा अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा क्षेत्र में कृषकों हेतु केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथिगण जी.एन मूर्ति मुख्य वन संरक्षक दक्षिणी क्षेत्र, प्रवीन राव वन संरक्षक इलाहाबाद क्षेत्र, के पी दूबे महाप्रबन्धक वन निगम, एस के शर्मा क्षेत्रीय प्रबन्धक वन निगम तथा मनोज खरे सम्भागीय वन अधिकारी ने कार्यक्रम को सुशोभित किया तथा क्षेत्र विशेष में कृषकों द्वारा कृषि-वानिकी अपनाने के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा किया। प्रदर्शन कार्यक्रम में यूकेलिप्टस, बांस, पॅपलर, सगौन, औषधीय पौधे, सर्प ट्रैक तथा महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के विभिन्न मॉडलों को किसानों को दर्शाया गया। सम्बन्धित साहित्य तथा पठन सामग्री का कृषकों को वितरण किया गया। कार्यक्रम की आयोजक सचिव डा. अनीता तोमर तथा डा. अनुभा श्रीवास्तव वैज्ञानिक ने कृषकों को कृषि वानिकी के विभिन्न आयामों यथा नर्सरी, पौधारोपण, रख-रखाव, उत्पाद का निष्कर्षण तथा विपणन सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिया। केन्द्र में कार्यरत धीरेन्द्र कुमार, अवर सचिव डा. वीपी पाण्डेय, अनुसंधान सहायक-। डा. एसडी शुक्ला, अनुसंधान सहायक-। सियाराम, अनुभाग अधिकारी स्थापना तथा ए के श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी लेखा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। परियोजना में कार्यरत आलोक पाण्डेय, शाइब जमील, संदीप त्रिपाठी, विक्रम सिंह, प्रवीन त्रिपाठी, उमाकान्त पाण्डेय तथा अंकुर श्रीवास्तव एवं तरुन श्रीवास्तव ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डा. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केंद्र के कार्यक्रम को सम्बोधित करते महानिदेशक

City Times, 19/03/2015

कृषि वानिकी के विकास पर मंथन

'सीएसएफईआर' की ओर से एक दिवसीय सेमिनार

इलाहाबाद (ब्यूरो)। 'सेंटर फार सोशल फारेस्ट्री एंड इको रीहैबिलिटेशन' (सीएसएफईआर) की ओर से एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में सामाजिक एवं कृषि वानिकी से जुड़े विशेषज्ञों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामाजिक वानिकी के विकास से जुड़े तमाम पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के महानिदेशक डॉ. अश्वनी कुमार ने सामाजिक वानिकी के विकास से जुड़े तमाम पहलुओं पर प्रकाश डाला। केंद्र की निदेशक डॉ. कुमुद दूबे ने केंद्र की ओर से किसानों के लिए संचालित योजनाओं व सुविधाओं की जानकारी दी। मुख्य वन संरक्षक दक्षिणी क्षेत्र जी. नारायण मूर्ति, वन संरक्षक प्रवीण राव, महाप्रबंधक वन निगम केपी दूबे, क्षेत्रीय प्रबंधक एसके शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी मनोज खरे ने सामाजिक वानिकी से जुड़े कई पहलुओं पर चर्चा की। आयोजन सचिव डॉ. अनीता तोमर, वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि वानिकी के विभिन्न आयामों मसलन नर्सरी, पौधरोपण, रखरखाव एवं उत्पादों की बिक्री से जुड़े पहलुओं की जानकारी दी। सेमिनार में कृषि वानिकी से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई।

Amar Ujala, 19/03/2015

कृषक प्रशिक्षण तथा प्रदर्शन कार्यक्रम
पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि-वानिकी का विकास
दिनांक: 18.03.2015
आयोजक
सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र,इलाहाबाद
3/1 लाजपत राय रोड,नया कटरा,इलाहाबाद,पिन-211002
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद,देहरादून)

पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि-वानिकी का

C.S.F.E.R.

CONFERENCE ROOM
DD